

10/03/2021

पत्रा० पेश हुई प्रि. सं. ५०७, ४ की प्रती
 को पूर्व में कौन बार अवसर दिए
 जा चुके हैं। अब अवसर दिए जाना
 उचित नहीं। वापसी कर्षण को बार-बार
 आवाज लगावाई गई। लेकिन इसकी
 अंतः हावा अदम्य तरीके लुमील अदम्य
 पेशी में खारिज किया जाता है।
 प्रतावली पुस्तक अमार
 होकर नम्बर के काम की जाकर
 वाखिल हफ्तर हो।

